File No.T-74074/10/2019-WSE DTE
Telangana Today- 11- August-2022

Rains dent farming operations in TS

Cultivation area down by nearly 11 lakh acres this Vaanakalam

STATE BUREAU
Hyderabad

The incessant rains lashing Telangana in the last couple of weeks have hampered sowing and transplantation for Vaanakalam. The cultivation area is short by nearly 11 lakh acres as compared to that of the season in 2021.

Officials fear that if the rains continue any further, most farmers, including those who have suffered crop losses due to excess rains, may shift to cultivation of paddy and other dry crops. This could hit the overall agriculture production in the State.

As against the normal cultivation area of 1.23 lakh crore acres in Vaanakalam, sowing operations have been completed only in 89.88 lakh acres. In the last Vaanakalam, sowing operations were completed in about 1.03 crore acres during the corresponding period.

Agriculture officials have attributed the slow cultivation to the incessant rains which had adversely affected farm operations. With several farmers suffering damage to standing crops due to the rains, many are learnt to have slowed down the pace of farm operations. "The average rainfall received in Telangana between June 1 and August 10 was 806.6 mm as against the normal of 440.3 mm — an excess rainfall of 83 per cent," Met officials said.

Telangana recorded an average rainfall of over 291 mm in two weeks. According to the Met Department officials, the State had recorded an average of over 291 mm within just one week from July 7.

Despite its massive cultivation target of about 70 lakh acres this season, cotton seed sowing has been completed in only 47.59 lakh acres.

However, it is the only crop closer to its normal cultivation area of 49.96 lakh acres. (SEE PAGE 4)

Over 3.39 lakh cusecs of water was released from the Srisailam dam following heavy inflows on Wednesday.

In the last Vaanakalam, cotton cultivation was taken up in about 65 lakh acres and soyabean in 3.77 lakh acres which is also closer to its normal cultivation area of 3.93 lakh acres.

Paddy cultivation and transplantation have been severely disrupted, with cropping area of 23.91 lakh acres against the normal cultivation area of 42 lakh acres. Paddy was cultivated in about 32.28 lakh acres during the corresponding period last Vaanakalam. Raising of paddy nurseries and transplantations are expected to be taken up in full swing in the next couple of weeks. Similarly, cultivation of maize, red gram, green gram and black gram has also been adversely affected due to the continuous downpour.

Telangana Today- 11- August-2022

Godavari crosses 2nd warning level

At Bhadrachalam, water level touches 50.40 ft; officials alerted

District Collector Anudeep Durishetty held a review meeting with officials on the flood situation as transportation to several villages was cut off in Bhadrachalam district on Wednesday.

STATE BUREAU
KOTHAGUDEM

Water level in river Godavari has been rising and crossed the second warning level at Bhadrachalam in the district on Wednesday.

At 5 am on Wednesday, the water crossed the second warning level of 48 feet and reached 49.30 feet.

However, by 12 noon, the water level reached 50.40 feet with a discharge of 12.79 lakh cusecs and as a result, transportation on Cherla-Bhadrachalam and Burgampad-Kothagudem roads was affected.

District Collector Anudeep Durishetty conducted a review meeting with district officials on Godavari flood situation at Sub-Collector's office in Bhadrachalam and told the officials to be alert in view of rising flood level in the river at Bhadrachalam.

Road connectivity to several villages snapped

Due to incessant rains, Godavari flood waters inundated main roads between Amerdha-Ammagaripalli, Anandapuram-Chinthiryala, Battilagumpu-Ramnagar villages in Aswapuram mandal and Gangolu village in Dummugudem mandal, cutting off transportation to many villages.

This apart, transportation in Wazedu and Venkatapuram mandals in erstwhile Warangal district and several mandals like Aswapuram, Cherla, Burgampad and Dummugudem in Kothagudem district also were affected by the incessant rains.

Rajasthan Patrika- 11- August-2022

36 घंटे से लगातार बारिश, कई जिलों में आवागमन रुका

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. सावन के आखिरी चार-पांच दिन में सावन झूमके बरस रहा है। प्रदेश के रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के ज्यादातर जिलों में पिछले 36 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। भारी से अतिभारी बारिश से कई जिलों में गांव में पानी घुस गया है, ग्रामीणों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। नदी-नाले उफान मार रहे हैं। इससे ऐन रक्षाबंधन के समय कई जिलों में आवागमन भी बंद हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में एक-दो स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश और चरम भारी वर्षा तक दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे अधिक बारिश महासमुंद में 190 मिमी बारिश दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में 130 मिमी के करीब बारिश दर्ज की गई।

हल्की से मध्यम वर्षा, गाज गिरने की चेतावनी : मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा भारी वर्षा की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग ने 24 घंटे के लिए आरेंज और येलो अलर्ट भी जारी किया है।

शिवरीनारायण में महानदी उफान पर, कोरबा में कई बस्तियों में 5 फीट तक पानी भरा

जांजगीर-चांपा/रायगढ़/कोरबा. बीते 24 घंटे में बिलासपुर संभाग के जिलों में रूक-रूककर लगातार बारिश हो रही है। शिवरीनारायण में महानदी का जलस्तर बढ़ गया है। शबरी पुल के दो फीट नीचे तक नदी का पानी पहुंच चुका है। इसके अलावा रिंगनी-कुकदा मार्ग को जोड़ने वाली कंजी नाला भी उफान पर है। रायगढ़ जिले बरमकेला, सारंगढ़ क्षेत्र में मूसलाधार बारिश देरशाम तक जारी रही। कोरबा में हसेदव बांगो परियोजना की बायीं तट नहर के एक्वाडक का हिस्सा बुधवार को टूट गया। इससे तीन बस्ती इमलीडुग्गू, बंसोड़ मोहल्ला और खंडाला बस्ती में 5 फीट तक पानी भर गया। बस्ती में पानी भरने से करीब 45 मकान डूब गए। काफी मशक्कत कर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

दंतेवाड़ा : इंद्रावती में फंसे टीकाकरण दल को बचाया

दंतेवाड़ा. कोविड वैक्सीनेशन के लिए इंद्रावती पार कर छिंदगेर गांव गए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीम को बुधवार को रेस्क्यू टीम ने निकाला। बाढ़ का पानी कम होने पर बुधवार को भैरमगढ़ एसडीएम की मौजूदगी में यह रेस्क्यू अभियान चलाया गया। मोटरबोट की मदद से इन कर्मचारियों को निकाला गया। इस दल में कुल 14 सदस्य थे, जो सप्ताह भर पहले दंतेवाड़ा जिले के नेलगोड़ा घाट से नाव पा कर गए थे। इस बीच 4 दिन लगातार बारिश में नदी नाले और इंद्रावती नदी उफान पर आ गए, जिससे यह टीम नदी के उस पार ही फंसी रह गई।

दुर्ग : 10 साल का टूटा रिकार्ड, कवर्धा में दो की डूबने से मौत

दुर्ग जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश ने 10 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। दुर्ग में पिछले 24 घंटे में ही 127.8 मिमी पानी बरसा। इससे पहले 2016 में 111 मिमी पानी एक दिन में बरसा था। वहीं कवर्धा में लगातार बारिश से बरसाती नाले व नरवा में पानी भर गया है। बोड़ला थाना अंतर्गत ग्राम अमलीटोला रोड किनारे नाले में डूबने से मेहत्तर निर्मलकर (70) की मौत हो गई। वहीं बालोद जिले के कुकदुर थाना के ग्राम पुटपुटा दमगढ़ नाला में दो साल की देवी नामबाई बैगा की डूबने से मौत हो गई। जिले के सेमरिया नाला, टटेंगा, केरीजुंगेरा व सिकोसा नाला सहित विभिन्न नालों में बाढ़ आई है।

खैरागढ़ में युवक बहा

दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से जलाशयों से लगातार 66 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा रहा है। इससे शिवनाथ खतरे के निशान से तीन फीट ऊपर बह रहा है। खैरागढ़ बघमर्रा करमतरा नाले में बघमर्रा गांव का 22 वर्षीय युवक रूपेश पिता परसादी साहू बह गया है। बाढ़ से लगभग 206 गांव प्रभावित हैं।